Inauguration of Centre of Excellence Cyber Security and Cyber Forensics at Department of Computer Engineering, NBNSSOE, Ambegaon(Bk)

Inaugural Function for Centre of Excellence “Cyber Security and Cyber Forensics” organized by NBNSSOE, Ambegaon (Bk). The Chief Guest for the Inaugural Function was Mr. Sudhakar Kate Dy SP, Pune, Mr. Anup Girdhar, CEO-Founder of Sedulity Solutions & Technologies, New Delhi, Mrs. Sangeeta Ghumatkar Dy Director, Regional Forensics Lab, Kolhapur, Mr. Rakesh Patil, Branch Manager, Pune of Sedulity Solutions & Technologies, New Delhi, and Dr. R. S. Prasad, Principal NBNSSOE.

News in Navbharat Times dated 3rd April 2017

अपनी सुरक्षा के लिए हमें साइबर साक्षर बनना होगा : सुधाकर काटे

NBN सिंहगढ़ स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग में साइबर लैब का उद्घाटन

संवाददाता

पुणे. आज शायद ही कोई व्यक्ति ऐसा होगा, जो कम्प्यूटर, स्मार्ट फोन, लेपटॉप जैसे गैजेट्स का उपयोग नहीं करता होगा. लेकिन न गैजेट्स का उपयोग करते समय हम साइबर सुरक्षा को पूरी तरह से नजरंदाज कर देते है. इसका कारण यह है कि स्मार्ट फोन, कम्प्यूटर आदि का उपयोग करनेवाले अधिकांश लोगों को इसका ज्ञान ही नहीं है और जिनकों ज्ञान है, वे साइबर सुरक्षा को लेकर अभी तक लापरवाह बने हुए है. इसी का फायदा आज के साइबर अपराधी उठाते है. आज हमारे हाथों में स्मार्ट फोन आ जाने से हम खुद को स्मार्ट समझने लगे है. लेकिन हकीकत यह है कि हम आज भी वास्तविक स्मार्टनेस के कोसों दूर है. आज हम पढ़-लिख कर साक्षर जरूर हो गए है, लेकिन यदि हम इन गैजेट्स का उपयोग करते है, तो हमें आवश्यक रूप से साइबर साक्षर होने की जरूरत है, वरना हम कभी भी साइबर क्राइम का शिकार हो सकते है. यह प्रतिपादन डीवाई एसपी सुधाकर काटे ने यहां किया. शनिवार को एनबीएन सिंहगढ़ स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग के कम्प्यूटर विभाग में साइबर लैब का उद्घाटन सुधाकर काटे के हाथों किया गया. इस समय एनबीएन सिंहगढ़ स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग के प्रिंसिपल आर.एस. प्रसाद, रीजनल फॉरेन्सिक लैब ऑफ कोल्हापुर की डिप्टी डायरेक्टर संगीता घुमटकर, सिक्यूरिटी सॉल्यूशन्स एंड टेक्नोलॉजिस के सीईओ डॉ. अनुप गिरधर और राकेश पाटिल उपस्थित थे.

डीवाई एसपी सुधाकर काटे ने आगे कहा कि आज प्रत्येक व्यक्ति एन्ड्रॉइड सिस्टम का इस्तेमाल करता है, प्रत्येक व्यक्ति सोशल मीडिया से जुड़ा है. इसके अलावा हम जो भी सॉफ्टवेयर कम्प्यूटर या मोबाइल में इस्तेमाल करते है, वह या तो पायरेटेड होते है या फिर फ्री में डाऊनलोड किए हुए होते है. यहां तक कि हम अपने कम्प्यूटर या मोबाइल में एंटी वायरस्स तक फ्री का इस्तेमाल करते है. इसमें हमारे डाटा की कोई सिक्यूरिटी नहीं होती. हमारा डाटा, हमारे फोटो, हम लोग जो टेक्स्ट टाइप करते है, सब कुछ उस कंपनी के पास चला जाता है, जो हमारे देश से हजारों किलोमीटर दूर है. यहां तक कि न तो हमें उन कंपनियों के बारे में पता है और न ही यह पता है कि वे किस देश में है. वह वैध है भी या नहीं. हमें इस बात का पता तब चलता है जब हम हमारा सिस्टम हैक हो जाता है. हम जब कोई फ्री सॉफ्टवेयर डाऊनलोड करते है, तब हम उसकी टर्म्स एंड कंडिशन को बिना पढ़े ही एक्सेप्ट का ऑप्शन क्लिक कर देते है. ऐसा करते वक्त हम जानबूझ कर अपने आप को दूसरों के हवाले कर देते है. ऐसे में जब आपके साथ कोई धोखा होता है, तो पुलिस के पास आपके बचाव के लिए कुछ नहीं होता. काटे ने बताया कि प्रत्येक सिस्टम में, प्रत्येक सॉफ्टवेयर में सिक्यूरिटी के ऑप्शन्स होते है.

करीब 90 प्रतिशत लोग या तो इन ऑप्शन्स के बारे में जानते ही नहीं और जो जानते है, वे इसे गंभीरता से नहीं लेते. फेसबुक, व्हॉट्स एप पर हम बिना सोचे समझे किसी की भी पोस्ट को लाइक-शेयर करते है. क्योंकि हमें सोच समझ कर किसी पोस्ट को लाइक या शेयर करना चाहिए. यदि हम कोई आपत्तिजनक पोस्ट को लाइक या शेयर करते है, यह अपराध की दुनिया में साइबर क्राइम कहलाता है. सुधाकर काटे ने इस समय युवा पीढ़ी को चेताते हुए कहा कि हम आज पढ़-लिख गए है. लेकिन साइबर क्राइम के बारे में हम अभी भी अंजान है. इसलिए जो भी व्यक्ति कम्प्यूटर का इस्तेमाल करता है, ऑनलाइन पेमेंट करता है, कार्ड से पेमेंट करता है, स्मार्ट फोन का इस्तेमाल करता है उसे साइबर साक्षर होना बहुत जरूरी है. अन्यथा आप कभी भी साइबर क्राइम का शिकार हो सकते है.

सोशल मीडिया पर सोच समझ कर भेजे संदेश : अनूप गिरधर

- सिक्यूरिटी सोल्यूशन्स एंड टेक्नोलॉजिस के सीईओ अनूप गिरधर ने अपने संबोधन में कहा कि आज सोशल मीडिया का जमाना है. हर व्यक्ति सुबह उठ सबसे पहले अपना व्हॉट्स ऐप चेक करता है. सभी को व्हॉट्स ऐप पर गुड मॉर्निंग कहने की परंपरा चल रही है. यह अच्छी बात है, लेकिन मेसेज बॉक्स में कुछ भी टाइप करने के पहले एक बार सोचो कि हम क्या टाइप कर रहे है. क्योंकि आपने एक बार टाइप करके उसे सेंड कर दिया, समझो आपके हाथ से बाजी जा चुकी है. गिरधर ने बताया कि हो सकता है कि जो शब्द हम टाइप कर रह रहे है, उसका अर्थ आपके लिए कुछ और हो सकता है और जिसे आप संदेश भेज रहे है, उसके लिए कुछ और हो सकता है. साइबर क्राइम में आपके द्वारा भेजा गया कोई भी संदेश एक सॉलिड एविडेंस के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है. यदि आप यह सोचते है कि कोई आपत्ति जनक संदेश टाइप करके आपने भेज दिया और बाद में आपने उसे डिलिट कर दिया, तो यह आपकी सबसे बड़ी भूल है. क्योंकि मोबाइल - कम्प्यूटर आदि से भेजा गया कोई भी लिखित संदेश जब आपके मोबाइल - कम्प्यूटर से एक बार सेंड हो गया, तो वह कभी डिलिट नहीं होता. बल्कि वह वातावरण की तरंगों में सदा के लिए सुरक्षित हो जाता है. यदि आपके संदेश पर किसी को कोई आपत्ति होती है, तो साइबर लैक से उसे संदेश को वापस लाया जा सकता है, जो आपके खिलाफ पक्का सबूत हो जाता है. इसलिए किसी को भी संदेश भेजने के पहले उस संदेश की भाषा की गंभीरता को हमें समझना चाहिए.

लगभग हर अपराध साइबर से जुड़ा है : संगीता घुमटकर

- रीजनल फॉरेन्सिक लैब ऑफ कोल्हापुर की डिप्टी डायरेक्टर संगीता घुमटकर ने कॉलेज में साइबर लैब के उद्घाटन के बाद लैक के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि एनबीएन सिंहगढ़ स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग देश के सबसे अच्छे इंस्टीट्यूट्स में से एक है.
- एक समय था, जब साइबर लैब के बारे में कोई कल्पना भी नहीं कर सकता था. क्योंकि पहले साइबर क्राइम नहीं था. लेकिन आश्चर्य जनक रूप से आज हर क्राइम साइबर से जुड़ गया है. इसलिए साइबर लैब की जिम्मेदारी प्रत्येक फॉरेन्सिक लैब में सबसे अहम हो गई है.
- घुमटकर ने कहा कि इस संस्थान में आपकों उच्च दर्जे की शिक्षा दी जाएगी. इसलिए आप इस विधा को अच्छी तरह से आत्मसात करें, ताकि देश में हो रहे साइबर क्राइम को रोकने में आप महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें.

Pune Plus 03-04-2017
http://epaper.enavabharat.com/
नवभारत

News in Maharashtra Times dated 11th April 2017

Apr 11 2017 : MaharashtraTimes (Pune)

'एनबीएन सिंहगड'मध्ये सायबर सिक्युरिटी लॅब

कॉलेज क्लब रिपोर्टर

पुणे : सिंहगड इन्स्टिट्यूट्सच्या एनबीएन सिंहगड स्कूल ऑफ इंजिनीअरिंग येथे उभारण्यात आलेल्या सायबर सिक्युरिटी व सायबर फॉरेन्सिक प्रयोगशाळेचे नुकतेच उद्घाटन करण्यात आले. या प्रसंगी महाविद्यालयाचे प्राचार्य डॉ. आर. एस. प्रसाद, फॉरेन्सिक प्रयोगशाळेच्या उपसंचालक संगीता घुमटकर, पोलिस उपअधीक्षक सुधाकर काटे; तसेच सेंड्युलिटी सोल्युशन्सचे डॉ. अनुप गिरधर आणि राकेश पाटील उपस्थित होते. 'सायबर गुन्ह्यांमध्ये सर्वांत जास्त गुन्हे पैशांशी निगडित असतात. नोटाबंदीनंतर ऑनलाइन व्यवहारांमध्ये झालेल्या वाढीमुळे सायबर गुन्ह्यांमध्ये वाढ होण्याची शक्यता आहे. त्यामुळे सायबर सिक्युरिटी या क्षेत्रात रोजगाराच्या अनेक संधी उपलब्ध होत आहेत,' असे मत काटे यांनी व्यक्त केले. एखाद्या सायबर गुन्ह्याचा शोध कसा लावला जातो, सायबर व फॉरेन्सिक तज्ज्ञांची मोठ्या प्रमाणावर भासणारी गरज याची सविस्तर माहिती घुमटकर यांनी दिली.

'या प्रयोगशाळेंतर्गत विविध संशोधन आणि प्रयोग हाती घेण्यात येणार आहेत आणि अत्याधुनिक तंत्राचे प्रशिक्षण विद्यार्थ्यांना देण्यात येणार आहे; तसेच एखाद्या सायबर गुन्ह्याचा शोध लावण्यासाठी प्रयोगशाळेद्वारे सहकार्य करण्यात येईल,' अशी माहिती प्राचार्यांनी दिली. ही प्रयोगशाळा उभारण्यात सेंड्युलिटी सोल्युशन्सचे सहकार्य मिळाले.

- यश देशपांडे,
कॉलेज क्लब रिपोर्टर